

(b) The rates of scholarships for various courses are given in the attached statement laid on the Table of the House [Placed in the Library, see No. LT-1148/63.]

Development of Hindi in Orissa

1979. Shri Ram Chandra Mallick: Will the Minister of Education be pleased to state the total amount received by the voluntary organisations and the Government of Orissa during the first two years of the Third Five Year Plan period for the development of Hindi in that State?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): A sum of Rs. 11,084 was paid to the Government of Orissa under the Scheme for appointment of Hindi Teachers in 1961-62.

A sum of Rs. 300 was paid to the Utkal Prantiya Rashtrabhasha Sabha Cuttack in 1962-63 as part payment of the cost of 200 copies of its monthly journal.

भारत सेवक समाज को दी गई सहायता

१९६०. श्री रणजय सिंह : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सेवक समाज को विभिन्न शिविरों को चलाने के लिये १९६१-६२ के वित्तीय वर्ष में कितनी धन-राशि दी गयी ;

(ख) १९६२-६३ के वित्तीय वर्ष में कितनी राशि दी गई ; और

(ग) क्या ग्रामीण युवक-शिविरों तथा छात्र-शिबिरों की धन राशि अब कम कर दी गयी है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) :

(क) ६,९७,०००.०० रु० विभिन्न प्रकार के श्रम और समाज सेवा शिविरों के संचालन के लिये ।

(ख) ५,५०,०४२.०० रु०

(ग) जी हाँ ।

Aid to Utkal University

1981. Shri Rama Chandra Mallick: Will the Minister of Education be pleased to state the total financial assistance given to the Utkal University (Orissa) during the year 1962-63 and 1963-64 so far?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): 1962-63—Rs. 16,84,143.89 nP.

1963-64 (so far)—'Nil'.

विभागों में छंटनी

१९६२. { श्री सिधेश्वर प्रसाद :
श्रीमती रेणुका बड़कटकी :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आपात्कालीन स्थिति के कारण उनका मंत्रालय कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है ;

(ख) यदि हाँ, तो इनकी संख्या क्या है और इससे कितनी राशि की बचत होगी ; और

(ग) इन कर्मचारियों का श्रेणीवार व्योरा क्या है ?

शिक्षामंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) :

(क) , (ख) और (ग) : मंत्रालय में कार्य प्रणाली और क्रियाविधि को सरल बनाने तथा कार्य के मूल्यांकन और संगठनात्मक विश्लेषण सम्बन्धी विस्तृत अध्ययन १९६१-६२ में आरंभ कर १९६२-६३ में पूरा किया गया । मुख्यतः इस अध्ययन के फलस्वरूप और संकटकालीन स्थिति के दौरान बचत की आवश्यकता को देखते हुए ४० पद कम करने का निश्चय किया गया जिसके फलस्वरूप १९६३-६४ के दौरान लगभग १,९४,७२४ रुपये की बचत हो सकेगी ।